# University in News on 19 October 2024

**PIIONEER PAGE 3**

## प्रो. चमन मेहरोत्रा फिर बने भौतिकी पूर्व छात्र संगठन अध्यक्ष

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की तरफ से शुक्रवार को विश्वविद्यालय भौतिकी पूर्व छात्र संगठन की वार्षिक आम सभा की बैठक का आयोजन किया। कार्यक्रम की शोभा कुलपति, प्रो. आलोक कुमार राय, संगठन के अध्यक्ष, प्रो. चमन मेहरोत्रा, विभागाध्यक्ष प्रो. एन. के. पांडे, और विश्वविद्यालय के कई विशिष्ट पूर्व छात्रों ने बढ़ाई। इस बैठक का समन्वयन संगठन के सचिव डॉ. पुनित कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय भौतिकी पूर्व छात्र संगठन के नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और समिति सदस्यों के चुनाव संपन्न हुए।

अध्यक्ष पद पर प्रो. चमन मेहरोत्रा को जारी रखने के लिए चुना गया और तीन नए उपाध्यक्ष चुने गए। जिनमें डॉ. बी. बी. शाह, प्रो. संजय मिश्रा, और डॉ. पवन मिश्रा। डॉ. पुनित कुमार को पुन: सचिव के रूप में चुना गया और तीन नए संयुक्त सचिव चुने गए। जिनमें डॉ. चंद्रांशु, डॉ. समता सिंह, और डॉ. शरद वैश शामिल हैं। अपने संबोधन में, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पूर्व छात्रों के योगदान की सराहना की और कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय अपने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर अत्यधिक गर्व करता है, जो निरंतर संस्थान का गौरव बढ़ा रहे हैं। हमारे पूर्व छात्र हमारे गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच का पुल हैं। कुलपति ने कहा कि पूर्व छात्रों के पास संगठन और विभाग में योगदान करने के कई तरीके हैं। पिछले 5-10-15-20 वर्षों के दौरान पास आउट हुए पूर्व छात्रों से जुड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र संगठन तभी मजबूत हो सकता है जब विभाग के पूर्व छात्र मजबूत हों। प्रो. चमन मेहरोत्रा ने कहा कि पूर्व छात्र संगठन ने हमेशा पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यह बैठक उन अटूट संबंधों का प्रमाण है जो हम सभी साझा करते हैं। अपने स्वागत भाषण में, विभागाध्यक्ष प्रो. एन. के. पांडे ने पूर्व छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया और विश्वविद्यालय की यात्रा में उनके निरंतर सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

**AMAR UJALA MY CITY PAGE 5**

# जीएस, रीजनिंग पर फोकस से जेआरएफ में मिली कामयाबी

### लविवि के 23 विभागों में 48 जेआरएफ व 213 विद्यार्थियों ने नेट क्वालीफाई किया

संवाद न्यूज एजेंसी

**लखनऊ।** नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बहुप्रतीक्षित (यूजीसी नेट) शिक्षक पात्रता परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इसमें बड़ी संख्या में लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। छात्रों का कहना कि उन्होंने जनरल स्टडीज (जीएस) रीजनिंग और विषय के साथ ही परास्नातक का पाठ्यक्रम पढ़कर सफलता हासिल की।

लखनऊ विश्वविद्यालय में 23 विभागों में 48 विद्यार्थियों ने जूनियर रीसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) क्वालीफाई किया है। इसके अलावा 213 विद्यार्थियों ने नेट में सफलता पाई है। एनटीए की ओर राष्ट्रीय स्तर की यह परीक्षा 21 अगस्त से चार सितंबर के बीच शहर के विभिन्न केंद्रों में कराई गई थी।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में विवि से विद्यार्थियों का सफल होना शिक्षा के प्रति लगन को दर्शाता है। हम विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने के लिए कई विभागों में निशुल्क कोचिंग की सुविधा भी देते हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी हैं।

**पहली बार तीन श्रेणियों में जारी हुआ परिणाम :** एनटीए ने पहली बार यूजीसी नेट का परीक्षा परिणाम तीन श्रेणियों में जारी किया है। वर्ष 2023 तक सिर्फ दो श्रेणियों में यूजीसी नेट व जेआरएफ का परिणाम जारी होता था। जो नई श्रेणी शामिल की उसमें क्वालीफाई फॉर पीएचडी को जोड़ा गया है। इससे विवि स्तर पर बिना प्रवेश परीक्षा के ही छात्र पीएचडी कोर्स में दाखिला ले सकेंगे। यह निर्णय विवि का होगा।

#### पीजी के सिलेबस में सबकुछ पढ़ें

परीक्षा पास करने के लिए पीजी का पूरा सिलेबस पढ़ें। जो कमजोर है उसे मजबूत करें। पढ़ाई में नियमितता बनाए रखें। बीते वर्षों के प्रश्न पत्र जरूर हल करें। **-शिवांगी पांडेय,** जेआरएफ, शिक्षाशास्त्र, लविवि

#### खुद को अपडेट रखें

परीक्षा पास करने के लिए खुद को अपडेट रखें। कोचिंग में पढ़ने के साथ ही किताबों से जरूर पढ़ें। इससे आपकी समझ को नई दिशा और सोचने का जरिया मिलेगा।

**-अभिषेक कुमार जेआरएफ,** पत्रकारिता एवं जनसंचार, बीबीएयू

#### इन छात्रों ने भी पाई सफलता

- डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के हिंदी, रसायन विज्ञान, इकनॉमिक्स विभाग के छह छात्रों ने भी नेट पास किया है। वहीं, आरएमएल विधि विश्वविद्यालय के एक छात्र ने नेट में सफलता पाई है।

#### सफल होने वाले विद्यार्थी

| विभाग | जेआरएफ | नेट |
|---|---|---|
| एआईएच और पुरातत्व | 3 | 3 |
| फारसी | 1 | 1 |
| प्रबंधन अध्ययन | 0 | 11 |
| हिंदी | 6 | 5 |
| अर्थशास्त्र | 2 | 10 |
| दर्शनशास्त्र | 0 | 6 |
| लोक प्रशासन | 1 | 5 |
| कंप्यूटर विज्ञान | 0 | 5 |
| समाजकार्य | 1 | 2 |
| पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान | 2 | 1 |
| संस्कृत एवं प्राकृत भाषा | 3 | 3 |
| समाजशास्त्र | 6 | 20 |
| वाणिज्य | 3 | 16 |
| शिक्षा | 9 | 45 |
| सांख्यिकी | 1 | 8 |
| पत्रकारिता एवं जनसंचार | 1 | 3 |
| पर्यटन प्रबंधन | 0 | 2 |
| पश्चिमी इतिहास | 0 | 2 |
| मनोविज्ञान | 0 | 10 |
| मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास | 0 | 2 |
| अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र | 2 | 8 |
| राजनीति विज्ञान | 6 | 41 |
| भूगोल | 1 | 4 |
| कुल | 48 | 213 |

## हाइड्रा और मानव की आनुवंशिकी रचना समान

**लखनऊ।** हाइड्रा (जलव्याल निडेरिया संघ का जंतु) की उम्र नहीं बढ़ती और यह अमर है। मानव और इस जीव की आनुवंशिकी रचना एक समान है। यह बातें अगरकर शोध संस्थान के प्रो. घासदकाबी ने लखनऊ विवि के जंतु विज्ञान विभाग के भारतीय विकासवादी जीवविज्ञानी समाज सम्मेलन में कही। उन्होंने हाइड्रा में पूर्ण पुनर्जनन के बारे में भी बात की। प्रो. त्रिने बिल्ड ने दिखाया कि प्राकृतिक चयन में कैसे मकड़ियों में नर आबादी में गिरावट का कारण बन रहा है। डॉ. मंजरी जैन ने शोध के माध्यम से आम पक्षी, जंगल बैबलर (पेंपा) की भाषा के बारे में बात की। डॉ. हेमा सोमनाथन, श्रीजा राय, डॉ. इंदुकला व डॉ. वंदना प्रसाद ने विभिन्न जीव-जंतुओं के संबंध में विचार रखे। इस दौरान कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. गीतांजलि मिश्रा, शिक्षक और शोधार्थी मौजूद रहे। (संवाद)

## पुराने दोस्त मिले तो ताजा हुईं यादें

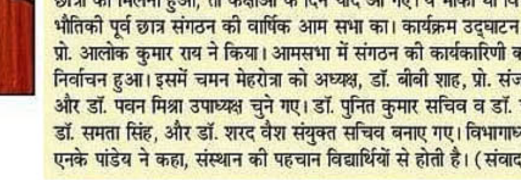

**लखनऊ।** लखनऊ विवि के भौतिक विज्ञान विभाग में शुक्रवार को जब पूर्व छात्रों का मिलना हुआ, तो कक्षाओं के दिन याद आ गए। ये मौका था विभाग में भौतिकी पूर्व छात्र संगठन की वार्षिक आम सभा का। कार्यक्रम उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। आमसभा में संगठन की कार्यकारिणी का निर्वाचन हुआ। इसमें चमन मेहरोत्रा को अध्यक्ष, डॉ. बीबी शाह, प्रो. संजय मिश्रा, और डॉ. पवन मिश्रा उपाध्यक्ष चुने गए। डॉ. पुनित कुमार सचिव व डॉ. चंद्रांशु, डॉ. समता सिंह, और डॉ. शरद वैश संयुक्त सचिव बनाए गए। विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडेय ने कहा, संस्थान की पहचान विद्यार्थियों से होती है। (संवाद)

**HINDUSTAN PAGE 6**

## वैज्ञानिक लेखन शोधकर्ता के जीवन का हिस्सा

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने थिएम की मदद से वैज्ञानिक लेखन में आम कमियां विषय पर संश्लेषण विज्ञान अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि वैज्ञानिक लेखन हर शोधकर्ता की यात्रा का हिस्सा है। कई वैज्ञानिक और छात्र पांडुलिपियों का मसौदा तैयार करने के कार्य से चुनौती महसूस करते हैं।

## मकड़ियों की नर आबादी में गिरावट

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय विकासवादी जीवविज्ञानी समाज के पांचवें वार्षिक सम्मेलन में दूसरे दिन 15 व्याख्यान हुए।

अगरकर शोध संस्थान पुणे के प्रो. घासदकाबी ने कहा कि हाइड्रा अमर होते है। आरहूस विवि प्रो. ट्राइन बिल्ड ने दिखाया कि प्राकृतिक चयन कैसे मकड़ियों के नर आबादी में गिरावट का कारण बन रहा। आईआईएसईआर मोहाली की डॉ. मंजरी जैन ने शोध के जरिए जंगल बैबलर की भाषा के बारे में बात की।

**JAGRAN CITY PAGE III**

## गरिमा बनीं सीबीआइ की पब्लिक प्रासीक्यूटर

बेटी गरिमा सिंह को मिठाई खिलाते पिता सुतीक्षण कुमार ● स्वयं

**जासं ● लखनऊ :** 'बचपन से मम्मी, पापा से लेकर अपने मामा को बड़े पदों पर काम करते देखा। उनसे कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिली। पापा सुतीक्षण कुमार ने अपने पैरों पर खड़े होने के लिए प्रेरित किया। आज सभी के आशीर्वाद से मेरा चयन संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) में पब्लिक प्रासीक्यूटर के पद पर हुआ है। गुरुवार देर रात आए परिणाम में आल ओवर इंडिया छठीं रैंक मिली है। विधि संकाय के शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी।

विकास नगर के विनायकपुरम सोसाइटी में रहने वाली गरिमा सिंह ने 12वीं की पढ़ाई आरएलबी स्कूल विकास नगर से की। उसके बाद लखनऊ विश्वविद्यालय से एल.एल.बी, एल.एल.एम के साथ जेआरएफ भी किया। अभी वह विधि संकाय में प्रोफेसर विनीता काचर के निर्देशन में पीएच.डी कर रही हैं। गरिमा बताती हैं कि पीएच.डी के साथ इसकी तैयारी करती रहीं। प्रो. विनीता का बहुत सहयोग मिला। गरिमा के पापा सुतीक्षण कुमार बीएसएनएल से जूनियर इंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त, मम्मी कल्पना कनौजिया कमर्शियल टैक्स आफिसर हैं। बड़े भाई प्रसून कुमार सिंह और भाभी अनीता सिंह बैंक मैनेजर हैं। वहीं, उनके मामा स्वदेश कुमार सिंह यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन में जीएम और दूसरे मामा देश दीपक सिंह एसडीएम बरेली, मामी निधि वर्मा सिंह इनकम टैक्स कमिश्नर हैं। इन सभी को देखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रही। गरिमा ने बताया कि नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआइए) में पब्लिक प्रासीक्यूटर के परीक्षा परिणाम में चौथी रैंक आई है।

### सीएसयू की पारुल मेश्राम को जेआरएफ में पहली रैंक

पारुल मेश्राम ● संस्थान इंद्रदीप शाक्य ● संस्थान नागार्जुन बिष्ट ● संस्थान

**जासं ● लखनऊ :** केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (गोमतीनगर परिसर) के बौद्धदर्शन व पालि विद्याशाखा की विद्यार्थी पारुल मेश्राम ने अखिल भारतीय स्तर पर जेआरएफ (पालि) में पहली रैंक हासिल की है। विद्याशाखा के ही छात्र नागार्जुन बिष्ट व इंद्रदीप शाक्य ने भी जेआरएफ हासिल की है। संस्थान के बौद्धदर्शन एवं पालि विद्याशाखा के अध्यक्ष प्रो. रामनंदन सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों ने सही दिशा में अध्ययन कर यह सफलता हासिल की। विद्याशाखा के सह आचार्य डा. प्रफुल्ल गड़पाल ने बताया कि तीनों विद्यार्थी विपस्सना (विपश्यना) साधना विधि का नियमित अभ्यास करते हैं। पारुल मेश्राम इस समय बोधगया में 30 दिवसीय विपस्सना साधना शिविर कर रही हैं। पारुल ने अपनी सफलता के पीछे विपस्सना साधना विधि को प्रमुखता दी। विद्याशाखा के संयोजक प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी व प्राध्यापिका डा. कृष्णा कुमारी ने भी तीन अध्येताओं को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

## यूजीसी नेट परीक्षा में 234 विद्यार्थी सफल

**जासं ● लखनऊ :** नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) जून 2024 के परिणाम गुरुवार देर रात जारी किए गए। इसमें लवि के 187 विद्यार्थियों ने नेट और 47 जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) में सफलता पाई है। सबसे ज्यादा शिक्षा विभाग के 34 विद्यार्थियों ने नेट उत्तीर्ण किया है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार भी 240 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सफलता पाई है। नेट, जेआरएफ उत्तीर्ण अभ्यर्थी उच्च शिक्षा में सहायक प्रोफेसर बनने के लिए पात्र हैं। वहीं, इस बार यूजीसी की ओर से तीसरी कटैगिरी भी तय की गई है। इसके तहत यूजीसी नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी पीएच.डी प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

**विभागवार सफल विद्यार्थी**

**शिक्षा विभाग:** जेआरएफ नौ, नेट 34, सोशियोलाजी जेआरएफ छह, नेट 20, पालिटिकल साइंस जेआरएफ पांच, नेट 26, एआइएच- जेआरएफ और नेट तीन-तीन, पर्शियन-नेट-जेआरएफ एक-एक, मैनेजमेंट स्टडीज-नेट 11, हिंदी- जेआरएफ छह, नेट पांच, इकोनामिक्स जेआरएफ दो, नेट 10, फिलासफी-नेट छह, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन जेआरएफ एक, नेट पांच, कंप्यूटर साइंस नेट-पांच, सोशल वर्क जेआरएफ एक, नेट दो, लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस जेआरएफ दो, नेट एक, संस्कृत एवं प्राकृत भाषा- नेट व जेआरएफ तीन-तीन, कामर्स जेआरएफ तीन, नेट 16, सांख्यिकी जेआरएफ एक, नेट आठ, मास कम्युनिकेशन जेआरएफ एक नेट तीन, टूरिज्म मैनेजमेंट और वेस्टर्न हिस्ट्री में दो-दो नेट, साइकोलाजी नेट 10, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में दो नेट, अप्लाइड इकोनामिक्स जेआरएफ दो, नेट आठ, जाग्राफी में एक जेआरएफ और नेट में चार सफल हुए।

**i-NEXT PAGE 6**

# यूजीसी नेट में एक बार फिर एलयू का जलवा

**लखनऊ यूनिवर्सिटी के 240 से ज्यादा स्टूडेंट्स हुए सफल**

**LUCKNOW (18 OCT):** नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) जून 2024 के परिणाम गुरुवार देर रात जारी किए गए, इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के 187 विद्यार्थियों ने नेट और 47 जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) में सफलता पाई है. सबसे ज्यादा शिक्षा विभाग के 34 विद्यार्थियों ने नेट उत्तीर्ण किया है. वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं हैं.

**तीसरी कटैगिरी भी तय**

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार भी यूनिवर्सिटी के 240 से ज्यादा विद्यार्थियों ने इसमें सफलता पाई है. नेट, जेआरएफ उत्तीर्ण अभ्यर्थी उच्च शिक्षा में सहायक प्रोफेसर बनने के लिए पात्र हैं. वहीं, इस बार यूजीसी की ओर से तीसरी कटैगिरी भी तय की गई है. इसके तहत यूजीसी नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी पीएच.डी प्रवेश के लिए पात्र होंगे.

**विभाग अनुसार सफल विद्यार्थी**

**शिक्षा विभाग** जेआरएफ 9, नेट 34, **सोशियोलाजी** जेआरएफ 6, नेट 20; **पालिटिकल साइंस** जेआरएफ 5, नेट 26, **एआइएच-** जेआरएफ और नेट 3-3; **पर्शियन** नेट-जेआरएफ 1-1; **मैनेजमेंट स्टडीज** नेट 11; **हिंदी** जेआरएफ 6, नेट 5; **इकोनामिक्स** जेआरएफ 2, नेट 10; **फिलासफी** नेट 6; **पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन** जेआरएफ 1, नेट 5; **कंप्यूटर साइंस** नेट-5; **सोशल वर्क** जेआरएफ 1, नेट 2; **लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस** जेआरएफ 2, नेट 1; **संस्कृत एवं प्राकृत भाषा** नेट व जेआरएफ 3-3; **कॉमर्स** जेआरएफ 3, नेट 16; **सांख्यिकी** जेआरएफ 1, नेट 8; **मास कम्युनिकेशन** जेआरएफ 1, नेट 3; **साइकोलाजी** नेट 10; **टूरिज्म मैनेजमेंट और वेस्टर्न हिस्ट्री** नेट 2-2; **मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास** नेट 2; **अप्लाइड इकोनामिक्स** जेआरएफ 2, नेट 8; **जाग्राफी** 1 जेआरएफ और नेट में 4 सफल हुए.

**AMRIT VICHAR PAGE 4**

# हाइड्रा पृथ्वी का अमर प्राणी, मनुष्य से मिलती है आनुवांशिक संरचना

### भारतीय विकासवादी जीवविज्ञानी समाज के सम्मेलन में पुणे के प्रो. सुरेंद्र ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार:** पृथ्वी का सबसे सूक्ष्म जीव हाइड्रा अमर है। न ही इसकी उम्र बढ़ती है और न ही आकार व स्वरूप ही बदलता है। ये जानकारी अगरकर शोध संस्थान पुणे के के जीवविज्ञान के प्रोफेसर सुरेंद्र घसकाडी ने भारतीय विकासवादी जीवविज्ञानी समाज के सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि हाइड्रा और मनुष्य की जीन की आनुवांशिक संरचना में काफी समानताएं हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे सम्मेलन में दूसरे दिन आरहस विश्वविद्यालय डेनमार्क के प्रो. त्रिने बिल्ड ने मकड़ियों के समूह में उनके सामाजिक व्यवहार के बारे में जानकारी दी। बताया कि बड़े औपनिवेशिक घोंसलों में एक साथ रहती हैं। उन्होंने प्रोजेक्टर पर मकड़ियों में नर आबादी में गिरावट का कारण दिखाया।

बताया कि नर मकड़ी में वंश वृद्धि की इच्छा खत्म होती जा रही है। आईआईएसईआर त्रिवेंद्रम की डॉ. हेमा सोमनाथन ने बताया कि मकड़ियां शिकार करते समय वह एक-एक करके हमले करती हैं।

#### पैंपा पक्षी होते हैं भाषाओं के जानकार

मोहाली से आई वैज्ञानिक डॉ. मंजरी जैन ने बताया कि जंगल बैबलर पक्षी यानी पैंपा भाषाओं के जानकार होत हैं। जिस तरह मनुष्य की अलग-अलग बोली और भाषाएं हैं उसकी तरह पैंपा भी अलग- अलग भाषाओं में अलग-अलग क्षेत्रों में बात करते हैं। उन्होंने विडियो के माध्यम से दिखाया कि पैंपा एक-दूसरे के साथ कैसे संवाद करते हैं।

#### इन वैज्ञानिकों ने भी रखे विचार

आईआईएससी बैंगलोर की डॉ. सास्क्य वान नौहिस, बीएसआईपी की पूर्व निदेशक डॉ. वंदना प्रसाद, प्रो. ट्राइन बिल्ड, ओमान विश्वविद्यालय के डॉ. तपन मोहंता, श्रीजा राय, एनसीबीएस बैंगलोर से विजय नागवे, प्रिया अग्निहोत्री, तन्वी देवड़ा, डॉ. दीपा अगाशे, एनसीबीएस, बैंगलोर, कर्नाटक विश्वविद्यालय से डॉ. बीएस श्रीनाथ, अजीज प्रेमजी विश्वविद्यालय से डॉ. दिव्या उमा और आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम से डॉ. इंदुकला ने विभिन्न जीव-जंतुओं पर विचार रखे।

## वन्य जीवों के लिए वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर बनें नीतियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रोफेसर मेवा सिंह।

**पुणे विश्वविद्यालय के जीव वैज्ञानिक प्रो. मेवा सिंह का सरकार को सुझाव**

**अमृत विचार:** वन्य जीवों पर वैज्ञानिकों के अध्ययन के आधार बनाकर सरकार को नीतियां बनानी चाहिए। तभी वन और वन्य जीवों के संरक्षण के लिए बनाई गईं सरकार की नीतियां सफल हो पाएंगी। ये बात ये बात पुणे के जीव वैज्ञानिक प्रो डॉ. मेवा सिंह ने विशेष बातचीत में कही।

प्रो मेवा ने कहा कि, जंगल साफ होने से भेड़िये भोजन की खोज में आबादी की तरफ बढ़ रहे हैं। वह हिंसक व्यवहार करते हैं। असली सच्चाई यह है कि भेड़िया और गीदड़ जंगल से बाहर रहना पसंद करते हैं। चीता को बाड़े या पार्क में नहीं रख सकते। चिड़ियाघर में रखना उसे सजा देने जेसा है। चीते खुले में रहना पसंद करते हैं। वह घने जंगलों में नहीं रहता जबकि बाघ हमेशा घने जंगलों में रहना पसंद करता है। मनुष्य और वन्यजीवों का संघर्ष खत्म करना है तो वन्यजीवों के स्वभाव का अध्ययन करना होगा।

#### देश में 23 प्रकार के बंदर

बंदरों के आतंक पर प्रो. मेवा ने कहा कि भारत में 23 प्रकार के बंदर हैं। इसमें ज्यादातर जंगलों और घनी झाड़ियों में रहते हैं। इनके लिए सरकार की नीतियां अलग-अलग होनी चाहिए। बंदरों में हायआर्की अर्थात पद विन्यास होता है। वह खुद को मनुष्यों से श्रेष्ठ समझते हैं।

# नेट और जेआरएफ में लविवि के छात्रों ने लहराया परचम

### नेट में 213 और जेआरएफ 48 ने किया क्वालीफाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार:** नेट-जेआरएफ के परिणाम में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सफलता का परचम लहराया है। नेट में 213 और 48 जेआरएफ में छात्र-छात्राओं ने क्वालिफाई किया है। परीक्षा अगस्त के अंतिम और सितंबर के प्रथम सप्ताह में सम्पन्न हुई थी। इसका परिणाम गुरुवार को घोषित किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के रमन कन्नौजिया, सलोनी पाठक और शिवांगी पाण्डेय ने 99 फीसद से अधिक परसेंटाईल प्राप्त किए हैं। ये जेआरएफ के लिए चयनित हुए हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में 45 छात्र नेट के लिए चयनित हुए हैं। 9 छात्रों को जूनियर रिसर्च फैलोशिप मिलेगा। राजनीति शास्त्र विभाग में 41 छात्र-छात्राएं नेट उत्तीर्ण और 6 का चयन जेआरएफ में हुआ है।

भारतीय प्राचीन इतिहास, पर्सियन, हिंदी, अर्थशास्त्र, दर्शन, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, समाज कार्य, लोक प्रशासन, पश्चिमी इतिहास आदि विभागों के 213 का नेट और 48 का जेआरएफ में चयन हुआ है।

#### इन विश्वविद्यालयों में भी हुआ चयन

डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय में कुल 15 छात्रों ने उत्तीर्ण किया है। जेआरएफ में रसायन विज्ञान के छात्र राधवेंद्र सिंह यादव ने ऑल इंडिया में 102 रैंक हासिल की है। हिंदी विभाग से दो नेट और एक का जेआरएफ में चयन हुआ है। जिसमें रेशमा बानो, कुमारी रुचि, कुमारी रीमा हैं। अर्थशास्त्र में दो छात्रों का चयन हुआ है। राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि में तीन छात्रों में एक का चयन हुआ है।

रमन कन्नोजिया 99.958 परसेंटाइल | सलोनी पटेल 99.911 परसेंटाइल | शिवांगी पाण्डेय 99.876 परसेंटाइल

**TOI PAGE 4**

# Hydra's regenerative capacity might stop ageing in humans too

**Anjanaya Singh** | TNN

**Lucknow:** Did you know that Hydra's capacity for complete regeneration and biological immortality might be utilised in the future for regenerating limbs and stopping ageing in humans? Or that birds exhibit a complexity in their vocalisations, much like human dialects?

The 5th annual conference of Indian Society of Evolutionary Biologists (ISEB) at Lucknow University on Friday illustrated that while evolutionary biology primarily studies animals and plants, its findings can provide insights into human behaviour, communication and social organisation.

Faculty at Agarkar Research Institute, Pune, Surendra Ghasdka said, "Hydra's traits of regeneration defy our understanding of ageing. Certain genes in Hydra show similarity to those in humans, opening new avenues for research into regenerative medicine and ageing."

Faculty at IISER, Mohali, Manjari Jain explained the jungle babbler's communication. She said, "Birds exhibit a complexity in their vocalisations, much like human dialects. Each babbler community has its own language, which plays a crucial role in their social interactions."

DECODING HUMAN BEHAVIOUR

**HT PAGE 4**

# LU students shine in NET, 48 qualify for JRF

**HT Correspondent**

letters@htlive.com

**LUCKNOW :** After appearing for the UGC-NET on his first attempt, all Raman Kannaujia aspired to achieve was the Junior Research Fellowship (JRF). When the results were announced on Thursday, his joy knew no bounds as he realised he had succeeded.

"It was a bit stressful at first when I learned that the paper was leaked and we had to re-attempt the examination, but I later focused on preparing in the best way possible. Dedicated preparation helped me a lot," said Kannaujia.

He is not alone; 213 students from Lucknow University (LU) cleared the UGC-NET, with 48 of them qualifying for the JRF. The highest number of 45 successful candidates came from the Education department, with 9 students from the same department qualifying for JRF.

Shivangi Pandey, who also cleared the UGC-NET with JRF, expressed that she has always aspired to be an educator, and the results have given wings to her dreams.

**SWATANTRA BHARAT PAGE 4**

# पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर अत्यधिक गर्व करते हैं : कुलपति

### पूर्व छात्र संगठन की वार्षिक आम सभा सम्पन्न

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय भौतिकी पूर्व छात्र संगठन की वार्षिक आम सभा की बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शोभा कुलपति, प्रो.आलोक कुमार राय, संगठन के अध्यक्ष, प्रो.चमन मेहरोत्रा, विभागाध्यक्ष प्रो.एनके पांडे और विश्वविद्यालय के कई विशिष्ट पूर्व छात्रों ने बढ़ाई। इस बैठक का समन्वयन संगठन के सचिव डॉ.पुनित कुमार ने किया। इस दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय भौतिकी पूर्व छात्र संगठन के नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और समिति सदस्यों के चुनाव संपन्न हुए। अध्यक्ष चमन मेहरोत्रा को जारी रखने के लिए चुना गया और तीन नए उपाध्यक्ष चुने गए। डॉ.बीबी शाह, प्रो.संजय मिश्रा और डॉ.पवन मिश्रा। डॉ.पुनित कुमार को पुनः सचिव के रूप में चुना गया और तीन नए संयुक्त सचिव चुने गए जिनमें डॉ. चंद्रांशु, डॉ.समता सिंह और डॉ.शरद वैश शामिल हैं। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने पूर्व छात्रों के योगदान की सराहना की और कहा,

**वार्षिक आम सभा की बैठक का आयोजन किया**

लविवि अपने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर अत्यधिक गर्व करता है, जो निरंतर संस्थान का गौरव बढ़ा रहे हैं। हमारे पूर्व छात्र हमारे गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच का पुल हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों के पास संगठन और विभाग में योगदान करने के कई तरीके हैं। पिछले 5 से 20 वर्षों के दौरान पास आउट हुए पूर्व छात्रों से जुड़ने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र संगठन तभी मजबूत हो सकता है जब विभाग के पूर्व छात्र मजबूत हों। प्रो.चमन मेहरोत्रा ने भी टिप्पणी की, पूर्व छात्र संगठन ने हमेशा पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह बैठक उन अटूट संबंधों का प्रमाण है जो हम सभी साझा करते हैं। अपने स्वागत भाषण में, विभागाध्यक्ष प्रो.एनके पांडे ने पूर्व छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया और विश्वविद्यालय की यात्रा में उनके निरंतर सहयोग के महत्व पर जोर दिया। हमारे पूर्व छात्र हमारे सच्चे राजदूत हैं और उनकी उपलब्धियां इस संस्थान की प्रतिष्ठा को लगातार बढ़ाती रहती हैं। आपका समर्थन और योगदान ही हमें आगे बढ़ाता है। प्रो.पांडे ने कहा और सभी उपस्थित लोगों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ.ज्योत्सना सिंह और डॉ.लीना सिन्हा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

## सूक्ष्म जीव हाइड्रा में पूर्ण पुनर्जनन पर चर्चा

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय विकासवादी जीव विज्ञानी समाज के 5वें वार्षिक सम्मेलन के दूसरे भारत के कोने-कोने से करीब 200 प्रतिभागी शामिल हुए। इस मौके पर कुल 15 व्याख्यान हुए, जिनमें 3 पूर्ण व्याख्यान, 4 आमंत्रित व्याख्यान और 8 मौखिक प्रस्तुतियां दी गई। पूर्ण व्याख्यान प्रो.सुरेन्द्र घासदकाबी, अगरकर शोध संस्थान, प्रो.ट्राइन बिल्ड, आरहूस विश्वविद्यालय और डॉ.तपन मोहंता, ओमान विश्वविद्यालय के थे। प्रो.घासदकाबी ने एक छोटे सूक्ष्म जीव हाइड्रा में पूर्ण पुनर्जनन के बारे में बात की, जिसका हम सभी ने अध्ययन किया है। उन्होंने बताया कि हाइड्रा की उम्र नहीं बढ़ती और यह अमर है। उन्होंने यह भी कहा कि दिलचस्प बात यह है कि मनुष्यों और हाइड्रा में कुछ जीनों की आनुवंशिक संरचना काफी समान थी। प्रो.त्रिने बिल्ड ने मकड़ियों के एक समूह में सामाजिक व्यवहार के बारे में बात की जो बड़े औपनिवेशिक घोंसलों में एक साथ रहते हैं। उन्होंने दिखाया कि प्राकृतिक चयन ऐसे मकड़ियों में नर आबादी में गिरावट का कारण बन रहा है। आमंत्रित व्याख्यानों में आईआईएससी, बैंगलोर की डॉ.सास्क्य वान नौहिस, आईआईएसईआर, मोहाली की डॉ.मंजरी जैन, आईआईएसईआर त्रिवेंद्रम की डॉ.हेमा सोमनाथन और बीएसआईपी, लखनऊ की पूर्व निदेशक डॉ.वंदना प्रसाद ने भाग लिया।